एमएसएमई सेक्टर में हर जिले में निवेशकों ने दिखाया उत्साह

अमर उजाला ब्यूरो

इस सेक्टर में अकेले 1.37 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

8829 एमओयू के माध्यम से 18 लाख युवकों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ। वैश्विक निवेशक सम्मेलन (ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट) में प्रदेश के सभी 75 जिलों में निवेश को लेकर निवेशकों ने जो उत्साह दिखाया है, उससे हर जिले निवेश का रास्ता खुला है। खासकर एमएसएमई सेक्टर में निवेश को लेकर काफी बेहतर रुझान सामने आए हैं। अकेले एमएसएमई सेक्टर में 1.37 लाख करोड़ के निवेश वाले 8,829 एमओयू हुए हैं। इसके माध्यम से करीब 18 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

समिट के बाद तैयार आंकड़ों के मुताबिक भारी उद्योग की तरह सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सेक्टर में भी पश्चिमी यूपी निवेशकों की पहली पसंद बना है। सबसे अधिक 18,693 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 392 एमओयू गौतमबुद्धनगर में हुए हैं। इसी प्रकार आगरा में भी 13543 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 78 एमओयू और गाजियाबाद में 12887 करोड़ के निवेश के लिए 2266 एमओयू हुए हैं। वहीं मेरठ में 396 एमओयू के जरिए 10542 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

एमएसएमई सेक्टर में निवेश को लेकर प्राप्त हुए प्रस्तावों के लिहाज से देखा जाए तो प्रदेश के टॉप-10 जिलों में ही 60 प्रतिशत निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। वाराणसी में 5404 करोड़ के निवेश के लिए 212, मुरादाबाद में 5090 करोड़ के निवेश के लिए 132, कानपुर नगर में 4587 करोड़ के निवेश के लिए 322, लखनऊ में 4558 करोड़ के निवेश के लिए 201, अलीगढ़ में 4224 करोड़ के निवेश के लिए 196, हापुड़ में 3926 करोड़ के निवेश के लिए 208 एमओयू हुए हैं। इस प्रकार से देखा जाए एमएसएमई सेक्टर में टॉप-10 इन जिलों में ही 4403 एमओयू हुए हैं, जिनमें 83,454 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित हैं। यह निवेश कुल एमओयू के 60 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

निवेशकों ने बुंदेलखंड में भी दिखाई रुचि

इस बार के निवेशक सम्मेलन की खास बात यह है कि निवेशकों ने बुंदेलखंड में निवेश को लेकर खास रुचि दिखाई है। चित्रकूट में 826 करोड़ निवेश के लिए 126, महोबा में 760 करोड़ के निवेश के लिए 58, झांसी में 476 करोड़ के निवेश के लिए 45, बांदा में 370 करोड़ के निवेश के लिए 52, हमीरपुर में 318 करोड़ के निवेश के लिए 30, ललितपुर में 292 करोड़ के निवेश के लिए 28 और जालौन में 188 करोड़ के निवेश के लिए 16 एमओयू हुए हैं।

सात आध्यात्मिक शहरों में मिलेंगे 4 लाख से अधिक रोजगार के अवसर

लखनऊ। अयोध्या में राममंदिर के निर्माण और काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण समेत अन्य धार्मिक स्थलों के विकास से प्रदेश में बढ़ते धार्मिक पर्यटन ने भी वैश्विक निवेश सम्मेलन (इंवेस्टर्स समिट) में आए निवेशकों को अपनी ओर खींचा है। नतीजा ये हुआ है कि अयोध्या, काशी, मथुरा, चित्रकूट, सीतापुर, मिर्जापुर व प्रयागराज जैसे 7 प्रमुख धार्मिक शहरों में 4 लाख 14 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। माना जा रहा है कि यदि ये निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतरे तो 4.35 लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

दरअसल धार्मिक स्थलों के विकास से इन स्थानों पर जिस तरह से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, उसी अनुपात में इन शहरों में छोटे-छोटे रोजगार के अनेक रास्ते भी खुले हैं। इस प्रकार की संभावनाओं को देखते हुए ही काशी में 37224 करोड़ के 434 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अनुमान है कि इससे 1.35 लाख लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। ब्यूरो